

पृ. २/२८ भाग ५

(२)

वाका संहिता

२८
॥

70

श्रीगुरुभ्यो नमः

(1)

श्रीमदिराजप्रीतिपद्यं वंशानामादिकं पदं विना
 नमस्तस्मै तस्मै विदुषोऽपि विदुषोऽपि विदुषोऽपि
 नमस्तस्मै तस्मै विदुषोऽपि विदुषोऽपि विदुषोऽपि
 नमस्तस्मै तस्मै विदुषोऽपि विदुषोऽपि विदुषोऽपि
 नमस्तस्मै तस्मै विदुषोऽपि विदुषोऽपि विदुषोऽपि

[illegible]

一

Handwritten signature: *W. J. ...*

372

(37)

127

रामदास

अथ यो भवति तत्र परमेश्वरमेव गच्छति

रमक्यागमाह साहसमती। शिरपुत्र १३

93

मन्त्रपूजा सति पु। मन्त्रपूजा सति पु।

~~उत्पदि मरुतिया। स्मृति अउवाइ विपण~~

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

पुनः प्रतीक

[illegible]

श्री
नमो भगवते वासुदेवाय

श्रीगणेशाय नमः

पुण्य

पुण्य

पुण्य

पुण्य

पुण्य

पुण्य

पुण्य

पुण्य

पुण्य

पुण्य

पुण्य

पुण्य

पुण्य

पुण्य

पुण्य

पुण्य

पुण्य

पुण्य

पुण्य

पुण्य

पुण्य

(6)

[illegible]

உயிரினங்கள் = 100

(3) $10892111 = 22^2 \times 22222$

२५ परिशिष्ट नं १ कलकत्ता १९०६

42083374750310

2

1940-1941

2018/08/18

১৩৩

...and the Yash...

पुष्पकचन्द्र

Handwritten text in Arabic script, likely a manuscript or document.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

4001 4.726 2000

Handwritten text on a lined page, possibly a ledger or notebook, showing a date and some illegible entries.

1925/26

15/12/2018

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

19/05/2024

2. (12) 25 (12) 25

ਸਿਖਤੁ ਕਰਿ ਮਨੁ ਮਨੁ ਤਾ

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ਅਨਾਥਾ ਸੁਤ ਪ੍ਰੀਤਮ

॥ श्रीगुरुदेवो नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

20/2/2020

ନିର୍ଦ୍ଦେଶନା

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

(10)

[illegible]

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 तस्मिन्महादेशे श्रीकृष्णाय नमः
 दशमस्कन्धे अष्टमोऽध्यायः
 कुरुक्षेत्रे दृष्ट्वा कुरुक्षेत्रे
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 दशमस्कन्धे अष्टमोऽध्यायः
 कुरुक्षेत्रे दृष्ट्वा कुरुक्षेत्रे
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 दशमस्कन्धे अष्टमोऽध्यायः
 कुरुक्षेत्रे दृष्ट्वा कुरुक्षेत्रे
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 दशमस्कन्धे अष्टमोऽध्यायः
 कुरुक्षेत्रे दृष्ट्वा कुरुक्षेत्रे
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 दशमस्कन्धे अष्टमोऽध्यायः
 कुरुक्षेत्रे दृष्ट्वा कुरुक्षेत्रे
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 दशमस्कन्धे अष्टमोऽध्यायः
 कुरुक्षेत्रे दृष्ट्वा कुरुक्षेत्रे
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 दशमस्कन्धे अष्टमोऽध्यायः
 कुरुक्षेत्रे दृष्ट्वा कुरुक्षेत्रे
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 दशमस्कन्धे अष्टमोऽध्यायः
 कुरुक्षेत्रे दृष्ट्वा कुरुक्षेत्रे
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 दशमस्कन्धे अष्टमोऽध्यायः
 कुरुक्षेत्रे दृष्ट्वा कुरुक्षेत्रे
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

~~Wm. L. G. & Co.~~

सिद्धि सिद्धि नमो धर्म

572

ਭਾਗਯੋਗ ਮਾਮਲੇ ਵਿਖੇ ਮੁਕੱਦਮੇ ਨੰਬਰ

11/12/1912

ਭਾਗਿ ਅੰਤਰਿ ਭਾਗਿ ਅੰਤਰਿ

महाराष्ट्र राज्य सरकार

वर्षिप्रस्तोषमरुतयकमरुतगर्ह

गुधिरास्त्रात् अथ विहिते पत्रिभ्यः

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ

जोदपुरा विमान उड्डाण

उमेश चिन्मयी जय मन्त्र पदम

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

~~উত্তর কোম্পানী~~

~~जय राम मंगल~~

~~पुनः पुनः पुनः पुनः~~

विष्णुपञ्चरत्नसहितं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

अथ पञ्चमः अध्यायः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

~~११४३
 ११४३~~

नीमरसपुष्पसन्निधि घटादि
सायक

मन्त्र
पुनः प्रसादात् न चरतां मन्त्र
पुनः सिद्धिं कृष्णानामादौ न भू
नेता। माती प्रकुपयत गुह्यका
पुनः। किञ्च यदीव विप्रं न भू
राष्ट्रकर्म यज्ञादिना। कां न भू
व्याख्याते अथ विप्रिभिरापु
द्यवा। उल्लसिता वदन्ति वदन्ति
पञ्चाक्षरी वदन्ति इत्येवम्। निर
वर्णिता वदन्ति पुनः न भू पर्वक
आत्मन्मा दद्यात् क्रियते विप्र
यागलीभिषयपुनः राकोयजनीस्त
मन्त्राय वदन्ति इत्येवम्। उल्ला
उपयजित्वैव वा वदन्ति यागोक्त
तीर्थनामचक्रं श्री हनुमान्त
नमस्तेत्यादि। उद्योगेन यथा
इच्छा येषु यदा विप्रवाग्मन्त्रेण
पुनः एव भावानीरामचन्द्रं श्री
हनुमान्तं जप्तिं पठन्ति तदा चा
यज्ञात्। भूमि सुखात् परीतिरुद्गीता
यदुक्ता। नीला लब्धं रत्नं तन्मन्त्रं यच्च
विप्रवागीरामचन्द्रयाम्पुनः
तीर्थे निजा उपरि गच्छन्ती वदन्ती
इत्युक्ता। धर्मगोष्ठे न भू यच्च वदन्ति
उदीरार्थं विप्रवागीरामं हनुमान्तं

[illegible]

[illegible]

[The image shows a page from an old manuscript with handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The ink is dark, and the paper appears aged and slightly discolored. There are some faint markings or bleed-through visible across the page.]



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com